>

Title: Need to make arrangement for payment of toll tax at a single point on National Highways.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): राष्ट्रीय राजमार्ग फोर लेन एवं सिकस लेन बनने से तथा मेगा हाईवे निर्मित होने से उपभोक्ताओं को टॉल टैक्स के भुगतान की प्रक्रिया के माध्यम से काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बीओटी पद्धति आने से इन रास्तों से गुजरने वाले वाहनों एवं वाहनधारकों को काफी समय टॉल टैक्स पर खड़ा रहना पड़ता है। इससे ऊर्जा एवं समय दोनों की बर्बादी होती है। इस संबंध में मेरा आपके माध्यम से सरकार को सुझाव है कि कम्प्यूटर कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए टॉल टैक्स एक जगह वसूल किया जा सकता है एवं रास्ते में पड़ने वाले सभी कंपनियों को एक एमओयू के तहत आपस में प्राप्त राशि का बंटवारा किया जा सकता है। मैं उदाहरण के माध्यम से इस स्थिति को और स्पष्ट करना चाहता हूं। मैं बीकानेर संसदीय क्षेत्र से आता हूं एवं यात्रा करते समय मैंने अनुभव किया है कि जयपुर एवंदिल्ली के मध्य की दूरी मात्र 270 कि.मी. है तथा इतनी दूरी से 5 टॉल टैक्स कलेक्शन सेंटर पड़ते हैं। जयपुर दिल्ली के मध्य चलने वाले सभी वाहनों को इन टॉल टैक्स कलेक्शन सेंटर पर रूकना पड़ता है एवं निर्धारित राशि की रसीद कटवानी पड़ती है। मेरा यह सुझाव है कि जयपुर से आने वाले प्रत्येक यात्री की रसीद प्रथम पड़ने वाले टॉल टैक्स कलेक्शन सेंटर पर पांचों टाल टैक्स राशि जितनी रसीद काट दी जाये और इसी भांति दिल्ली से जयपुर की ओर जाने वाले सभी यात्रियों की पहले पड़ने वाले टॉल टैक्स सेंटर पर पांचों टॉल टैक्स जितनी राशि की रसीद काट दी जाये और कम्प्यूटर के माध्यम से इसका हिसाब कर लिया जाये और पांचों कंपनियां एमओयू के अनुसार राशि का बंटवारा कर लें इससे प्रत्येक वाहन/वाहनधारक/यात्री/उपभोक्ताओं को समय की बचत होगी और अनावश्यक रूप से टॉल टैक्स पर खड़े रहने के कारण डीजल और पैट्रोल की खपत होती है उसकी भी बचत होगी और अंततः इसका राष्ट्र को फायदा होगा। अतः मैं मंत्रालय से मांग करता हूं कि इस संबंध में अतिशीघ्र निर्णय लेकर एक अधिसूचना/परिपत्र जारी करें जिससे करोड़ों वाहन धारकों को इसका लाभ मिल सके एवं देश में पेट्रोल एवं डीजल की भी बचत हो सके।